



# भारत - चीन

# सीमा विवाद



5 मई: पहली झड़प  
पेंगोंग झील, लद्दाख

9 मई: दूसरी झड़प  
नाकू ला सेक्टर, सिक्किम

चीन

डोकल  
201  
टक



**LIVE**

**By Ashutosh Mahendras**



# UPCOMING ONLINE BATCHES

## September 2022

**28 SEP 2022**

**07:30 PM to 09:30 PM**

**BANK ONLINE LIVE CLASS**

**08:00 AM to 10:00 AM**

**SSC ONLINE LIVE CLASS**

**BILINGUAL**

**28 SEP 2022**

**04:00 PM to 06:00 PM**

**BANK ONLINE LIVE CLASS**

**BENGALI+ENGLISH**



[www.mahendras.org](http://www.mahendras.org)



7052477777/7052577777

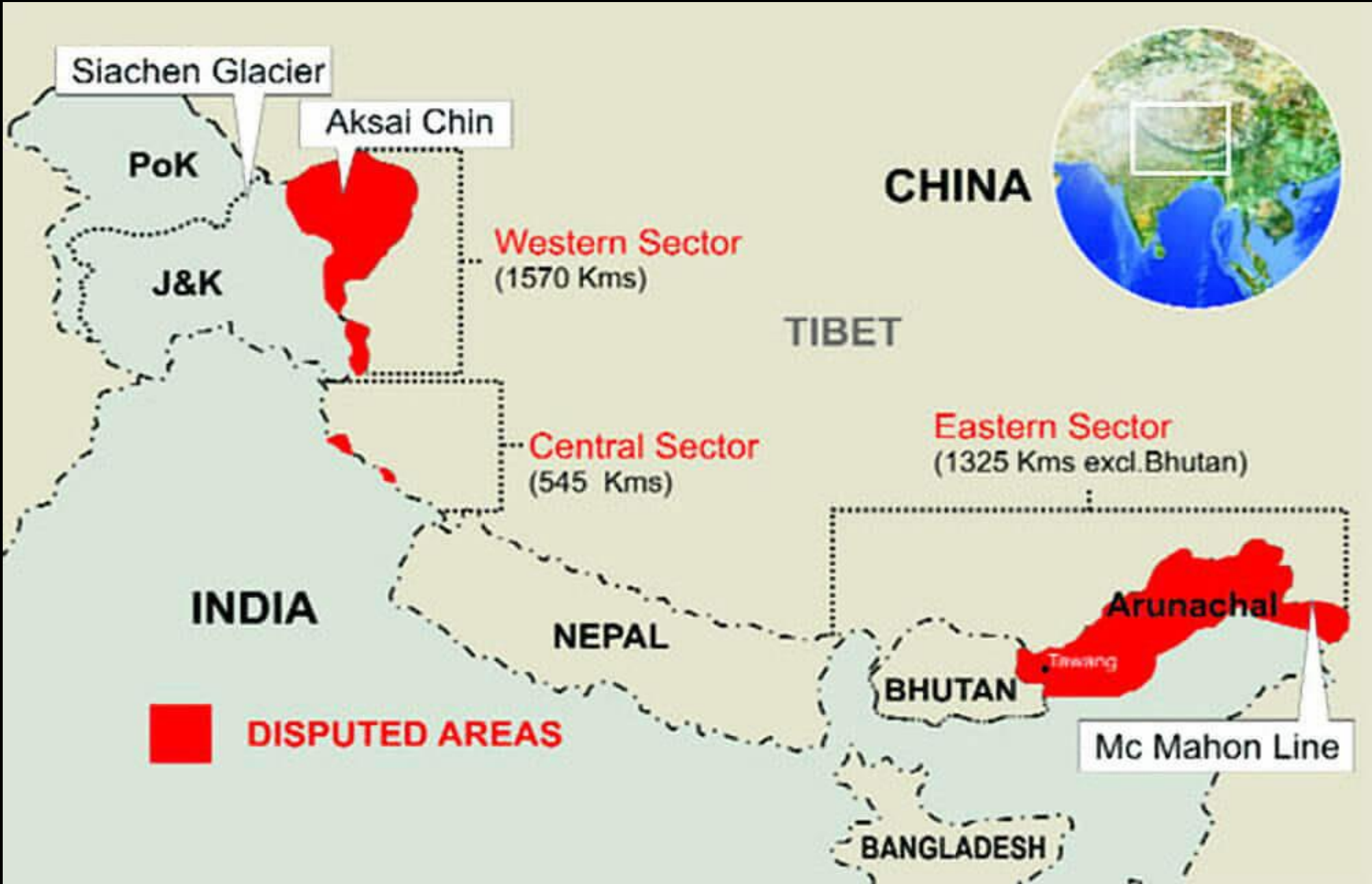


## India-China Border Dispute

- भारत के दो ऐसे पड़ोसी हैं, जिनके कारण उसकी सीमा पर हमेशा तनाव बना रहता है।
- India has two such neighbors, due to which there is always tension on its border.
- पाकिस्तान के साथ जम्मू-कश्मीर को लेकर विवाद है तो चीन के साथ न सिर्फ लद्दाख, बल्कि अरुणाचल प्रदेश में भी सीमा विवाद है। चीन भारत के हजारों किलोमीटर हिस्से पर अपना दावा करता है।
- If there is a dispute with Pakistan over Jammu and Kashmir, then there is a border dispute with China not only in Ladakh, but also in Arunachal Pradesh. China claims thousands of kilometers of India.



# India-China Border Dispute





# India-China Border Dispute

- चीन का 1962 से ही लद्दाख के पूर्वी इलाके अक्साई चीन पर नियंत्रण है।
- China has control over Aksai Chin in the eastern region of Ladakh since 1962.
- भारत और चीन के बीच लगभग 3,440 किलोमीटर लंबी सीमा है।
- The border between India and China is about 3,440 km long.



# India-China Border Dispute

## पृष्ठभूमि (Background)

- भारत और चीन के बीच की सीमा ब्रिटिश और चीनी साम्राज्य के समय से ही विवादित और अनिश्चित थी ।
- The boundary between India and China was disputed and uncertain since the time of the British and Chinese Empire.
- भारत चीन के बीच युद्ध का मुख्य कारण अक्साई चीन और अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों की संप्रभुता को लेकर विवाद था ।
- The main reason for the war between India and China was the dispute over the sovereignty of the border areas of Aksai Chin and Arunachal Pradesh.



# India-China Border Dispute

- अक्सई चीन, जिसे भारत लद्दाख का हिस्सा मानता था और चीन शिनजियांग प्रांत का हिस्सा मानता था, यहीं से टकराव शुरू हुआ और यह युद्ध में बदल गया।
- Aksai Chin, which India considered as part of Ladakh and China considered part of Xinjiang province, started the confrontation and it turned into a war.
- भारत की आजादी के बाद से भारत सरकार की नीतियों में से एक चीन के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखना था।
- One of the policies of the Indian government since India's independence was to maintain cordial relations with China.



# India-China Border Dispute

- भारत चीन के जनवादी गणराज्य को एक देश के रूप में मान्यता देने वाला पहला देश था ।
- India was the first country to recognize the People's Republic of China as a country.
- 1950 में चीन ने ऐतिहासिक अधिकारों का हवाला देते हुए तिब्बत पर कब्जा कर लिया । इसके बाद भारत ने विरोध पत्र भेजकर तिब्बत मुद्दे पर बातचीत का प्रस्ताव रखा ।
- In 1950, China occupied Tibet citing historical rights. After this, India sent a letter of protest and proposed talks on the Tibet issue.





# India-China Border Dispute

- हालाँकि, 1954 में, भारत ने चीन के साथ पंचशील समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसमें भारत ने तिब्बत को चीन के हिस्से के रूप में मान्यता दे दी। यह वह समय था जब भारत के पूर्व प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू ने “हिंदी-चीनी भाई-भाई” नारा दिया था।
- However, in 1954, India signed the Panchsheel Agreement with China, in which India recognized Tibet as part of China. This was the time when the former Prime Minister of India Jawaharlal Nehru gave the slogan "Hindi-Chini Bhai-Bhai".



## India-China Border Dispute

- सितंबर 1958 – भारत ने नेफा (आज का अरुणाचल प्रदेश) और लद्दाख के कुछ हिस्सों को चीन के रूप में दिखाने वाले चीन के आधिकारिक मानचित्र का विरोध किया ।
- September 1958 – India opposes China's official map showing parts of NEFA (today's Arunachal Pradesh) and Ladakh as China.
- 1958 में तिब्बत में चीन के खिलाफ विद्रोह हुआ, जिसे चीनी सेना ने बेरहमी से दबा दिया, जिसके बाद 1959 में दलाई लामा अपने अनुयायियों के साथ भारत आए, चीन को यह पसंद नहीं आया ।
- In 1958 there was a rebellion against China in Tibet, which was ruthlessly suppressed by the Chinese army, after which in 1959 the Dalai Lama came to India with his followers, China did not like it.



## India-China Border Dispute



- जनवरी 1959 में, झोउ एनलाइस ने पहली बार लद्दाख और नेफा (अब अरुणाचल प्रदेश) दोनों में 40,000 वर्ग मील भारतीय क्षेत्र पर चीन के दावे की घोषणा की ।
- In January 1959, the Zhou Enlais declared China's claim over 40,000 square miles of Indian territory in both Ladakh and NEFA (now Arunachal Pradesh) for the first time.

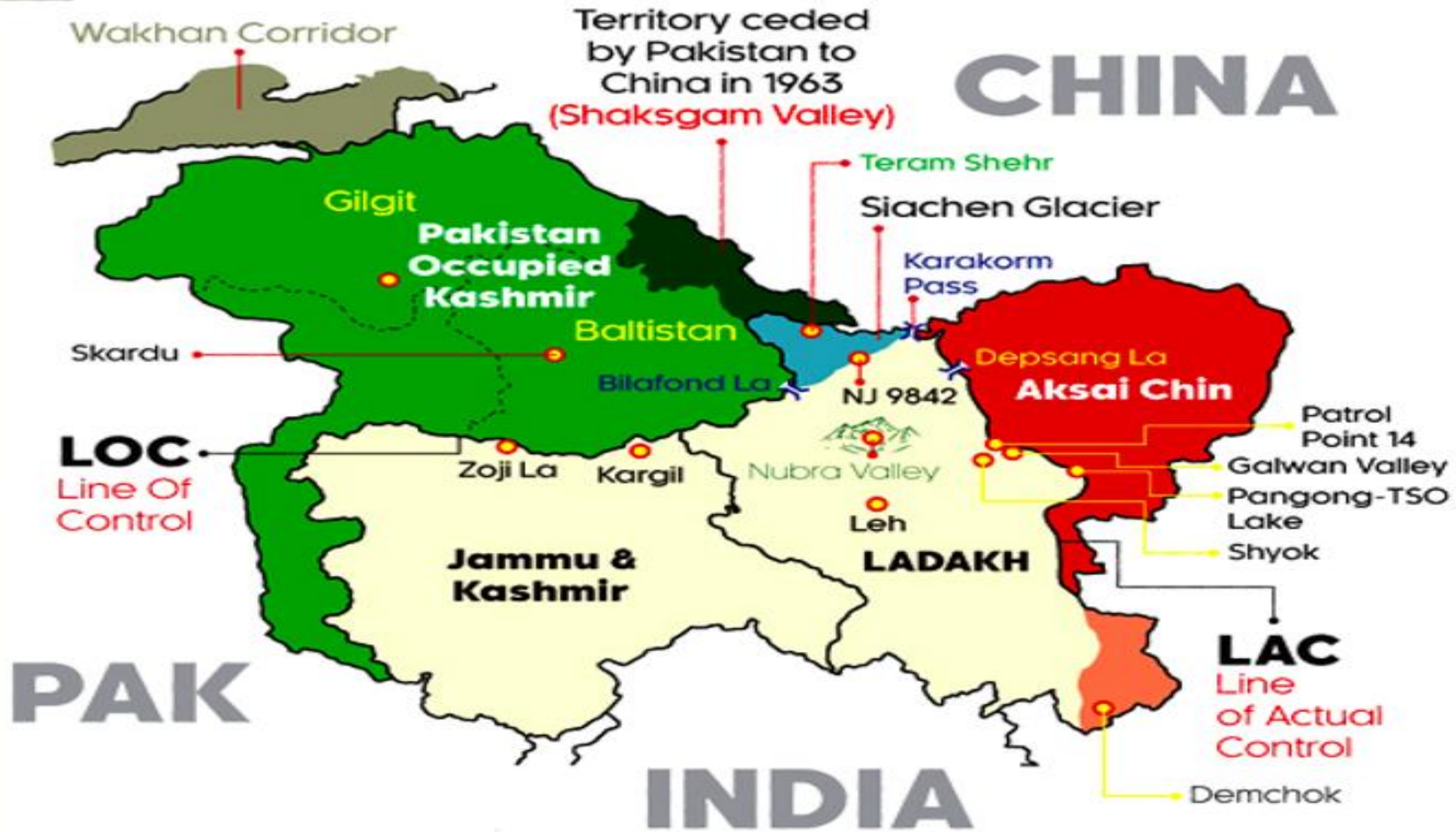


## India-China Border Dispute

- लगातार हिंसक झड़पों के बाद, चीन ने अंततः 20 अक्टूबर 1962 को भारत पर आक्रमण कर दिया ।
- After continuous violent skirmishes, China finally invaded India on 20 October 1962.
- युद्ध में चीन की जीत हुई और भारत को हार का सामना करना पड़ा । चीन ने भारत के अक्साई चिन में लगभग 38,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र पर कब्जा कर लिया ।
- China won the war and India had to face defeat. China occupied an area of about 38,000 square kilometers in Aksai Chin, India.



# India China 1962





## India-China Border Dispute

### राजनयिक संबंधों की पुनर्बहाली

#### Resumption of diplomatic relations

- 1976 में भारत-चीन राजनयिक संबंधों को फिर से बहाल करने की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई ।
- In 1976, the process of restoring India-China diplomatic relations began.
- तत्पश्चात द्विपक्षीय संबंधों में सौहार्द हेतु 1988 में भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गाँधी द्वारा चीन का दौरा किया गया ।
- After that, in 1988, Indian Prime Minister Rajiv Gandhi visited China for harmony in bilateral relations.



# India-China Border Dispute

- 1992 में आर वेंकटरमन चीन का दौरा करने वाले प्रथम राष्ट्रपति बने ।
- In 1992, R Venkataraman became the first President to visit China.
- 2003 में प्रधानमंत्री वाजपेयी के चीन दौरा के समय भारत चीन संबंधों में सिद्धान्तों और व्यापक सहयोग घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किया गया ।
- The Declaration of Principles and Comprehensive Cooperation in India-China Relations was signed during Prime Minister Vajpayee's visit to China in 2003.





# India-China Border Dispute

- वर्ष 2011 को चीन-भारत विनिमय वर्ष तथा वर्ष 2012 को चीन मैत्री एवं सहयोग वर्ष के रूप में मनाया गया ।
- The year 2011 was celebrated as the Year of China-India Exchange and the year 2012 as the Year of China Friendship and Cooperation.
- 2015 में प्रधानमंत्री मोदी की चीन यात्रा के दौरान तीर्थयात्रा हेतु नाथुला दर्रा खोलने पर सहमति बनी ।
- During the visit of Prime Minister Modi to China in 2015, it was agreed to open Nathula Pass for pilgrimage.



# India-China Border Dispute

- अप्रैल 2018 में वुहान में प्रथम अनौपचारिक शिखर सम्मेलन
- First informal summit in Wuhan in April 2018
- अक्टूबर 2019 में चेन्नई में द्वितीय अनौपचारिक शिखर सम्मेलन
- Second Informal Summit in Chennai in October 2019
- 2020 में भारत चीन राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे हुए
- Year 2020 marks 70 years of India-China diplomatic relations



# India-China Border Dispute

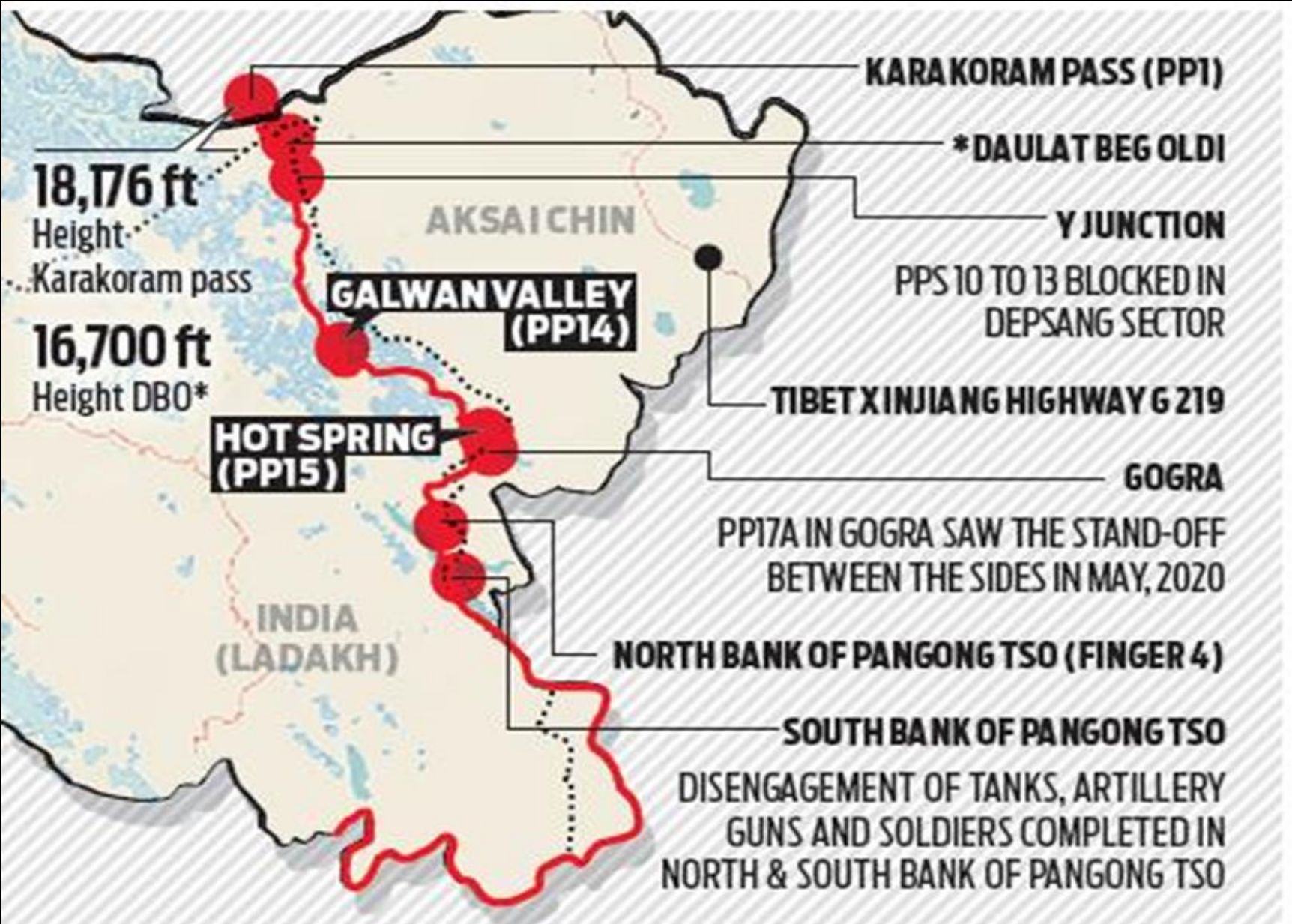
## गल्वान घाटी में हिंसक झड़प 2020

### (Violent clashes in Galwan Valley 2020)

- 2017 के डोकलाम विवाद में 73 दिनों के तनाव को समझते हुए भारत में लद्दाख सीमा पर एयर फोर्स की सुविधा का इजाफा किया। एल.ए.सी की ऊँचाई वाले विवादित क्षेत्रों में रोड व एयर कनेक्टिविटी के मामले में चीन के समान भारत भी अवसंरचना विकास को तीव्र करने पर अग्रसर हुआ।
- Understanding the 73 days of tension in the 2017 Doklam dispute, India increased the Air Force facility on the Ladakh border. In the case of road and air connectivity in the disputed areas along the LAC, India, like China, has moved forward in accelerating infrastructure development.



# India-China Border Dispute





## India-China Border Dispute

- भारत ने 255 किमी. लंबे दारबुक श्योक, दौलत बेग ओल्डी (DSDBO) रोड व 37 पुलों का निर्माण किया। इस निर्माण को चीन ने भारत पर सीमा उल्लंघन का आरोप लगाया।
- India has covered 255 kms. Long Darbuk Shyok, Daulat Beg Oldi (DSDBO) road and 37 bridges were constructed. This construction was accused by China of border violation on India.
- इसके उपरान्त पूर्वी लद्दाख सीमा पर तनाव को देखते हुए जून 2020 तक चीन व भारत के 50 हजार से ज्यादा सैनिक भारी हथियारों के साथ तैनात हो गये।
- After this, in view of the tension on the eastern Ladakh border, till June 2020, more than 50 thousand soldiers of China and India were deployed with heavy weapons.

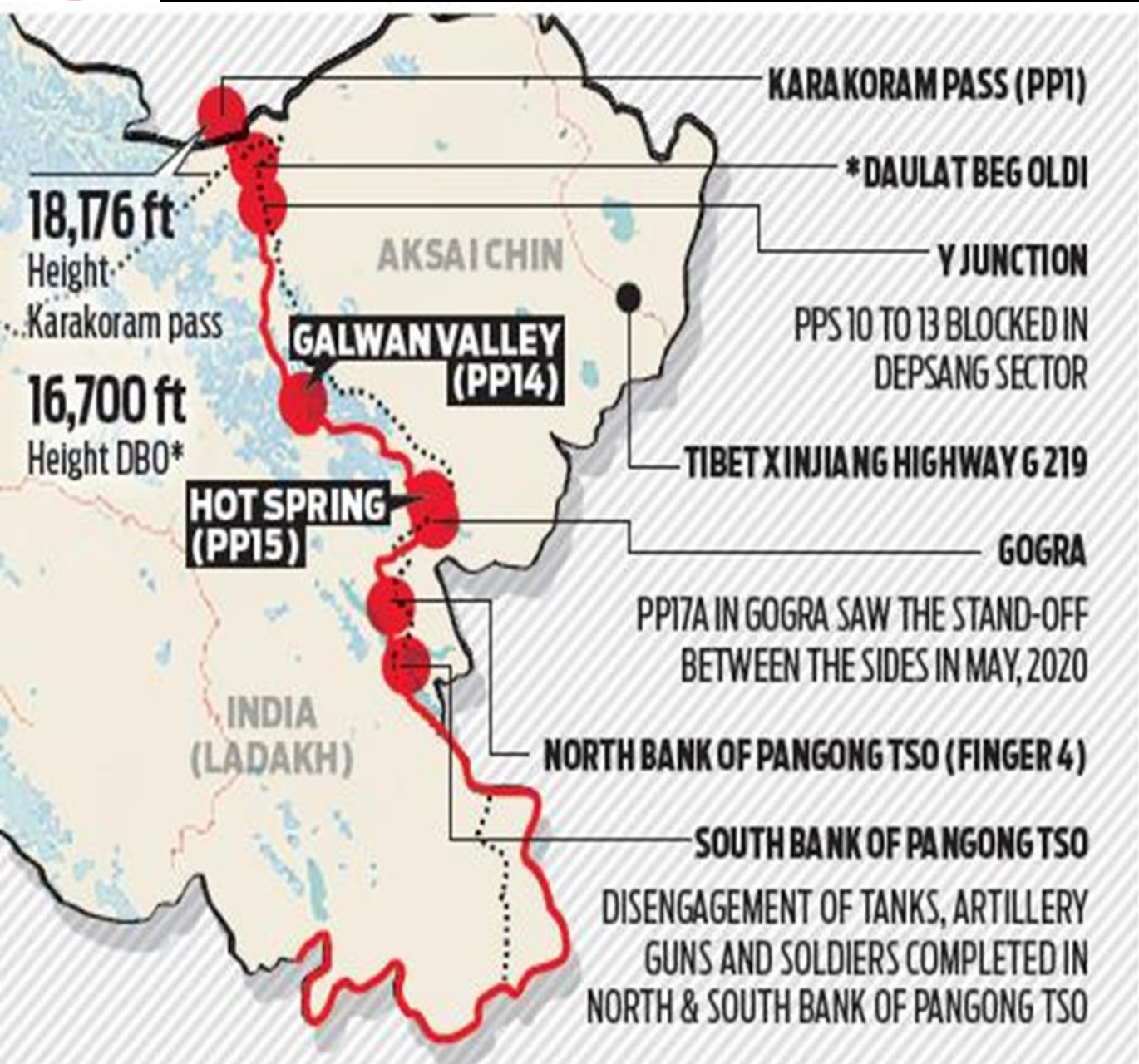


## India-China Border Dispute

- वार्ताओं द्वारा समस्या का समाधान तलाशा ही जा रहा था कि 15-16 जून 2020 के दरमियान रात में गल्वान घाटी में हिंसक झड़प में 20 भारतीय सैनिकों के शहीद होने की खबर ने स्थिति को गम्भीर होने की ओर संकेत किया।
- The solution to the problem was being sought by the negotiations that the news of the death of 20 Indian soldiers in the violent clashes in the Galwan Valley on the night of 15-16 June 2020 indicated the seriousness of the situation.
- 40 चीनी सैनिकों के भी मारे जाने की खबर मीडिया स्रोतों से की गयी किन्तु चीन द्वारा इसकी अधिकारिक पुष्टि नहीं की गयी।
- The news of the death of 40 Chinese soldiers was also reported from media sources, but it was not officially confirmed by China.



# India-China Border Dispute



- 2020 से ही चीन ने एक साथ एल. ए. सी. पर (पांगोंग त्सो झील, गलवान घाटी, नाथूला और हाट स्प्रिंग फिंगर लेक क्षेत्र इत्यादि) आक्रामक रुख प्रकट किया है।
- Since 2020, China has simultaneously shown aggressive attitude on LAC (Pangong Tso Lake, Galwan Valley, Nathula, Hot Spring Finger Lake area etc.)



## India-China Border Dispute

### भारत-चीन के मध्य सीमा विवाद पर शांति बहाली

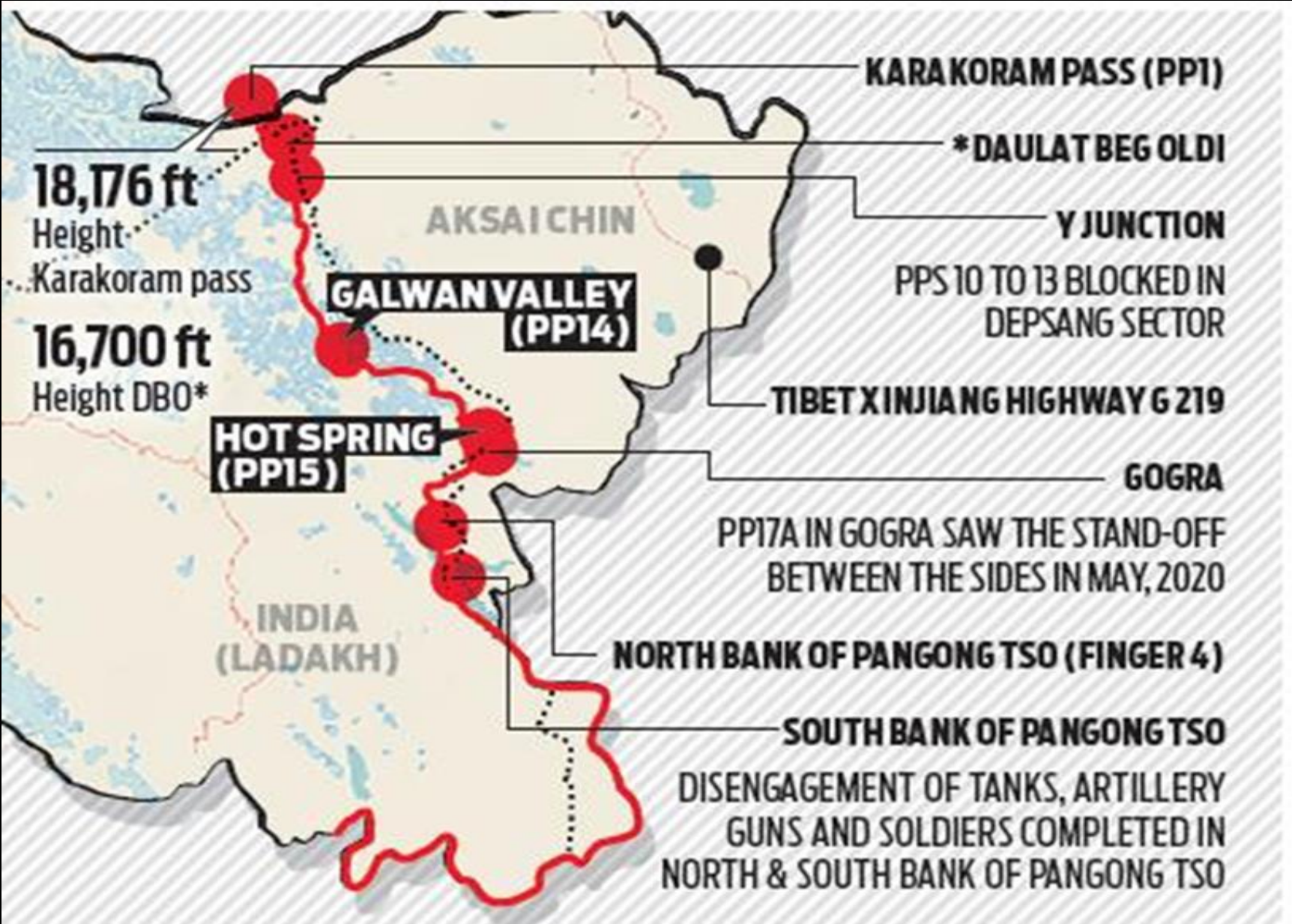
### Restoration of peace on the border between India and China

- हाल ही में भारतीय और चीनी सैनिकों ने पूर्वी लद्दाख के गोगरा-हॉटस्प्रिंग क्षेत्र में पेट्रोलिंग पिलर-15 (PP-15) से हटना शुरू कर दिया है। दोनों देशों की सेनाएँ अप्रैल 2020 से इलाके में टकराव की स्थिति में थीं।
- Recently, Indian and Chinese troops have started withdrawing from Patrolling Pillar-15 (PP-15) in Gogra-Hotspring area of Eastern Ladakh. The armies of both the countries were in a state of confrontation in the area since April 2020.





# India-China Border Dispute





## India-China Border Dispute

- इसके साथ ही दोनों देशों की सेनाएँ क्षेत्र में टकराव वाले सभी बिंदुओं से पीछे हट गई हैं जिनमें पैंगोंग त्सो, PP-14, PP-15 और PP-17A के उत्तर और दक्षिण तट शामिल हैं।
- Simultaneously, the armies of the two countries have withdrawn from all conflict points in the region, including the north and south banks of Pangong Tso, PP-14, PP-15 and PP-17A.



# India-China Border Dispute

## Way Forward

- भारत को टकराव वाले सभी क्षेत्रों से तनाव कम करने के लिये दबाव जारी रखना चाहिये। साथ ही कोर कमांडर स्तर की वार्ता जारी रखनी चाहिये।
- India must continue to press for de-escalation from all conflict zones. At the same time, the talks at the level of Corps Commander should continue.
- भारत को यथास्थिति की बहाली और LAC पर अपना रुख अडिग रखना चाहिये।
- India should restore the status quo and keep its stand on the LAC.